महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय

MAHATMA GANDHI CENTRAL UNIVERSITY

(Established by an Act of Parliament)

TempCamp Office, Zila School Campus, Motihari,

District: East Champaran, Bihar – 845401

www.mgcub.ac.in

आचार्य विनोबा भावे

पाठ्यक्रम – GPS4009 (प्रमुख गांधीवादी विचारक)

डॉ. जुगल किशोर दाधीच

सह आचार्य

विनोबा भावे

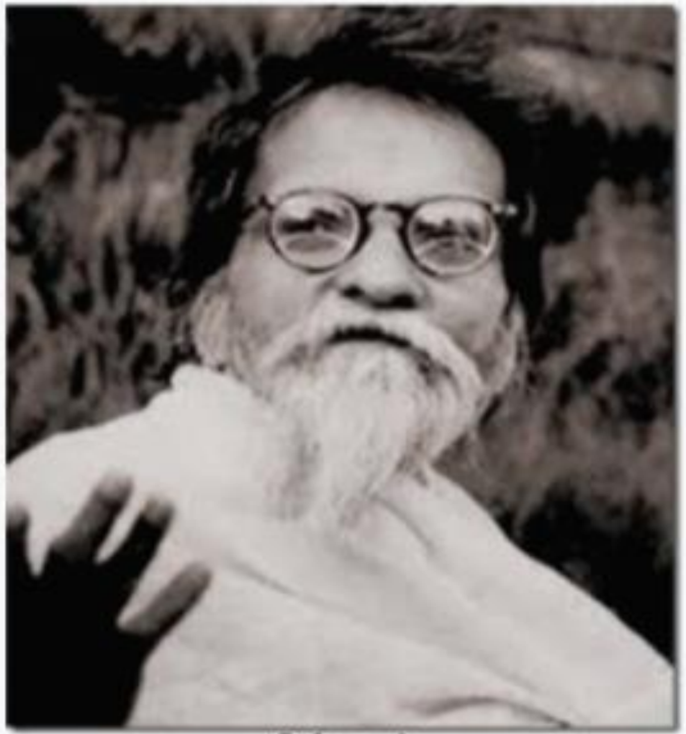

विनोबा भावे

जन्म	विनायक नारहरी भावे 11 सितम्बर 1895 गागोदे, पेन, जिला रायगढ़, भारतवर्ष
मृत्यु	15 नवम्बर 1982 (उम्र 87) पवनार, वर्धा
प्रसिद्धि कारण	भूदान आन्दोलन
पुरस्कार	अन्तर्राष्ट्रीय रेमन मेगसेसे पुरस्कार 1958

भूदान आन्दोलन

- 1951 में आरम्भ स्वैच्छिक भूमि सुधार आन्दोलन
- विनोबा जी द्वारा पदयात्राएं कर भूस्वामियों से अपनी जमीन का कुछ हिस्सा भूमिहिन किसानों के मध्य बांटने का अनुरोध
- भू आन्दोलन को सफल बनाने के लिए गांधीवादी विचारो अर्थात् रचनात्मक कार्यक्रमों, ट्रस्टीशिप आदि पर बल
- आगे चलकर यही आन्दोलन "ग्रामदान" के रूप में उभरा जिसका अर्थ है सारी भूमि गोपाल की जिसमें गांव की भूमि पर सभी का बराबर अधिकार हो

राष्ट्रवाद और विनोबा भावे

- विनोबा जी का राष्ट्रवाद संकुचित राष्ट्रवाद न होकर अपने अंदर एक विशाल अंतरराष्ट्रवाद को समाहित किये हुये हैं।
- इनकी राष्ट्रवाद की अवधारणा में उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद, नस्लवाद का सख्त विरोध शामिल हैं। वे इस तथ्य से परिचित थे कि संकीर्ण राष्ट्रवाद
  व्यक्ति को अंधा बना डालता हैं, विनोबा के राष्ट्र प्रेम में सब राष्ट्रों का प्रेम समाहित हैं।
- गांधीजी की भांति विनोबा भी इस मत के थे कि राष्ट्र एक तांत्रिक साधनमात्र हैं , वह अपने आप में कोई मूल्य या साध्य नहीं।

लोकतंत्र और विनोबा भावे

- लोकतंत्र से संबधित उनके विचार सर्वोदय – विचार और स्वराज्यशास्त्र तथा लोकनीति नामक रचनाओं में मिलते हैं।
- ये लोकतंत्र के प्राणतत्व जनता की शक्ति को सर्वोपरि मानते इनके अनुसार लोकसता में लोक ही सब कुछ हैं। सरकार कृछ नहीं।
- वे जनता की आत्मशक्ति को उभार कर उसे स्वावलंबी बनाने हेतु भी कृत संकल्प प्रतीत होते हैं।

पंथनिरपेक्षता और विनोबा भावे

- विनोबा जी कहते हैं सभी धर्म सत्य के अंशावतार हैं। इनके अनुसार सभी धर्म समान हैं और उनके आंतरिक मूल्य एक ही हैं।
- उन्होनें कहा था सच्चे हिंदू में मुसलमान हैं और सच्चे मुसलमान में हिंदू। केवल हमारी पहचान सही हो जो परधर्म का आदर नहीं कर सकता वह धर्म का भी आचरण नही करता।
- विनोबा भावे के विचारों में भारत की समन्वय संस्कृति , नैतिकता व वैज्ञानिकता के अतिरिक्त आध्यात्मिकता का प्रबल पक्ष विद्यमान हैं।

मानवाधिकार और विनोबा भावे

- विनोबा जी केवल मानवाधिकार ही नहीं अपितु मानवतावाद के भी प्रबल समर्थक थे।इनके अनुसार ऊंच और नीच सबके मानवीय अधिकार समान हैं।
- विनोबाजी आत्मज्ञाान को आधार बनाकर मानवमात्र की समानता के आधार पर मानवाधिकारों की वकालत करते हैं और कहते हैं कि मैं कौन हूं यह सवाल हैं। हमारे पूवर्जों नें कह दिया – मैं ब्रहम हूं इसको वेदांत कहते हैं और मैं ब्रहम हूं तो मेरी कोशिश होनी चाहिये की सबके साथ समान व्यवहार करो।
- इनकी लोकनीति नागरिकों को एक – दूसरे की स्वतंत्रता का अभिभावक मानती हैं तथा लोकनीति में हर नागरिक अपने कर्तव्य के प्रति और पड़ोसी के अधिकार के प्रति जागृत रहता हैं।

शांति सेना व विश्व शांति और विनोबा भावे

- शांति सेना और विश्व शांति के विचार के मूल में विनोबा भावे अपने राजनैतिक तथा आध्यात्मिक गुरू गांधी जी से प्रभावित थे।
- विनोबा जी का शांति सेना यह ब्रहमास्त्र किसी वाद या पंथ का द्योतक न होकर विश्व कुटुम्ब का एक सुंदर और सबल माध्यम हैं।
- इनका विश्वास था कि शांति सेना विश्वशांति में सहायक हैं ये लिखते हैं आज सारी दुनिया की मूल समस्या शांति स्थापना की हैं शायद ही किसी जमाने में दुनिया को आज जैसी शांति की भूख रही हो जो देश कल तक हिंसा के विचार डुबे हुये थे वे आज हिंसा से मुक्ति पाना चाहते हैं।